हिन्दुस्तानी एकेडेमी, पुस्तकालय
इलाहाबाद

वर्ग संख्या .... ८२५.८ ....
पुस्तक संख्या .... बाल/ज-४ ....
क्रम संख्या .... ६५२४ ....

राम तिवारी

गद्य कल्प

(दीर्घकालीन कृति-विधाओं का संकलन)

श्री ब्रजमोहन गुप्त 'इन्द्रनारायण'



कमलेश्वर प्रकाशन

गणश चौक छि (म०प्र०)

[illegible]

प्रथम संस्करण : १९८८

मूल्य : रु० ६००.००
सम्पूर्ण ग्रंथावली

प्रकाशक :
साहित्यवाणी,
२८ पुराना अल्लापुर, इलाहाबाद।

मुद्रक :
पियरलेस प्रिंटर्स,
बाई का बाग, इलाहाबाद।

आवरण एवं सज्जा :
अशोक सिद्धार्थ

जिल्दबंदी :
विश्वनाथ बुक बाइंडर्स,
बैरहना, इलाहाबाद।

संपादक : लक्ष्मीनारायण दुबे

Edition 1988

BALKRISHNA SHARMA 'NAVIN' GADYA RACHANAVALI
Published by SAHITYAVANI, 28, Purana Allahapur, Allahabad

Edited by L.N. Dubey
Price Per set Rs. 600

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, नई दिल्ली, के आंशिक वित्तीय सहयोग से प्रकाशित

साहित्यवाणी

खण्ड [illegible]

बालकृष्ण शर्मा नवीन

गद्य रचनावली

संपादक

डॉ. [illegible]

Pratap
Hindi Daily.

P. O. Box 51,
Cawnpore, 7 March 1934.

[illegible]



नवीन जी अपने मित्र हरिशंकर विद्यार्थी, एम०एल० राय, डॉ० जवाहर लाल रोहतगी के साथ

The Pratap Office
CAWNPORE.

'प्रताप' कार्यालय
कानपुर

19/2/40

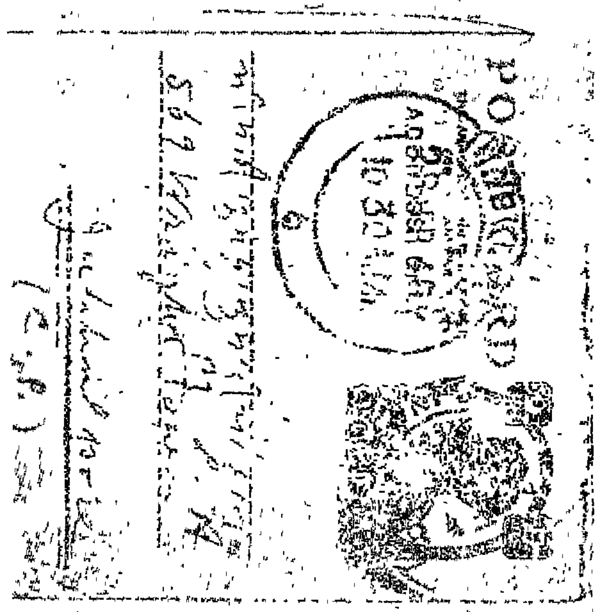
My dear Krishna,
your letter.

I am really sorry to know that you have not been able to find your feet yet. Let me hope that the cloth & paint shops project will mean something & will give opportunity to your abilities.

Tell dear old Jiji how awfully sad I feel sometimes to think that I have not been able to do all I could for her. My life, it appears, has been a colossal waste. And yet, I must plod on my weary way without looking back. You, of the new generation, are my best judges. And I leave it to you to pronounce your verdict upon me & my — perhaps, aimless, — activities. With respect to Jiji, Bhabhi & Jiji ji, with love to children & Baby Rani,
I remain,

Your affectionate
Balkrishna

राष्ट्रीय आन्दोलन



सुभद्रा कुमारी चौहान की पुत्री सुधा अमृत राय
शुभ विवाह के अवसर पर लिखा गया पत्र

अनुक्रम

□□



परिचय - ब्रजमोहन गुप्ता "इन्द्रनारायण"

■ १४ मार्च, १९३७ ई० (सिहोर)
शुक्रवार, फाल्गुन शुक्ल द्वितीया, वि० संवत १९९३
७ जुलाई, १९३७ (शासकीय रिकार्ड में)

शेत ■ काव्यार्चन (प्रथम काव्य-संकलन १९८०)

याँ ■ एक और यात्रा (द्वितीय काव्य संकलन १९८९)

■ गद्य कल्प (गद्य-विधाओं का संकलन, १९९६)

■ विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित तथा
आकाशवाणी इन्दौर, भोपाल एवं जबलपुर से प्रसारण

पादन ■ श्री जयशंकर 'प्रसाद' जन्मशती विशेषांक १९८९
■ अवैतनिक सम्पादक—'यज्ञसेनी वैश्य समाज संदेश'
(१९९० से प्रकाशन स्थगित)

म्प्रति ■ व्याख्याता — कन्या शिक्षा परिसर, छिन्दवाड़ा,
आदिम जाति कल्याण विभाग (म० प्र०)

वास ■ साहित्य कुटीर, गणेश चौक, छिन्दवाड़ा (म० प्र०)

प्रकाशनाधीन :

यज्ञसेनी वैश्य जाति निरूपण
(यज्ञसेनी वैश्य वर्ग का उद्भव तथा विकास, इसी के
अन्य वैश्य वर्गों का संक्षिप्त परिचयात्मक विवरण)

